Nai Dunia (Indore), 15th July 2024, Page-03

आइआइटी-आइआइएम के शोध से सुधरेगा यातायात

समस्या होगी दूर ● नगर निगम से प्रमुख चौराहों के बारे में मांगी जानकारी, ट्रैफिक को समझ रहे विद्यार्थी

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : आबादी बढ़ने के साथ ही शहर में प्रत्येक चौराहे पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। जरा-सी वर्षा होने या फिर वाहनों के गुत्थमगुथा होते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसकी वजह से गंतव्य तक पहुंचने में लोगों को अधिक समय लग रहा है। बिगड़े ट्रैफिक को सुधारने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। इस कार्य के लिए अब शहर की शीर्ष संस्था आइआइटी और आइआइएम इंदौर आगे आई है। ट्रैफिक सिग्नल से लेकर चौराहों को सुव्यवस्थित करने के अलावा वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक किया जाएगा। फिलहाल यातायात को बेहतर बनाने आइआइटी के विद्यार्थी जानकारी जुटाने में लगे हैं।

बीते दिनों महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के बीच चर्चा हुई थी। इसमें चौराहों को व्यवस्थित करने सहित लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने पर भी बातचीत की गई। इसके बाद आइआइटी के विद्यार्थियों ने कुछ चौराहों और सिग्नल के बारे में अध्ययन किया, जिसमें पाया कि शहर में रेड लाइट का समय काफी अधिक है। कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट रहती है। वाहन चालकों में धैर्य नहीं है। कई बार चालक सिग्नल नहीं होने पर भी वाहन निकालते हैं। जबकि जो वाहन चालक चालान के डर से सिग्नल पर खड़े रहते हैं, वे भी रेड लाइट बंद होते ही वाहनों को आगे बढ़ा लेते हैं। वैसे ग्रीन सिग्नल चंद सेकंड दिया जाता है। इस वजह से चालक वाहन निकलने में जल्दबाजी करते हैं। इससे सिग्नल पर वाहन आपस में गुत्थमगुथा होते हैं और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। फिलहाल आइआइटी ने शहर के अलग-अलग चौराहों पर सिग्नल की स्थिति देखी है।

शहर के चौराहों पर सुबह और शाम के समय वाहन गुत्थमगुत्था होते रहते हैं। ● फाइल फोटो

निगम को देना होगा प्रजेंटेशन : आइआइटी और नगर निगम में प्रारंभिक स्तर पर यातायात को लेकर चर्चा हुई है। अब निगम की तरफ से प्रजेंटेशन होना बाकी है, जिसमें आइआइटी ने प्राब्लम स्टेटमेंट मांगा है। इसके माध्यम से शहर के किन चौराहों पर यातायात की ज्यादा दिक्कतें है, वह बताना है। आइआइटी ने चुनिंदा चौराहों के बारे में पूछा है।

5-ई पर दिया सुझाव : यातायात को लेकर आइआइएम इंदौर ने 2019 में एक अध्ययन किया था, जिसमें 5-ई के बारे में सुझाव दिया था। इनमें एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, एन्वायरमेंट, इमरजेंसी प्रमुख था। आइआइएम ने चौराहों को व्यवस्थित करने के लिए इंजीनियरिंग पर जोर दिया था। लोगों में यातायात नियमों का पालन करवाने और जागरूकता के बारे में कहा।

> यातायात की समस्या का समाधान निकालने के लिए नगर निगम से प्रमुख चौराहों के बारे में पूछा गया है। वैसे शहर में ट्रैफिक सिग्नल का टाइमिंग अधिक है। इन्हें कम करने की जरूरत है, क्योंकि ज्यादा देर तक वाहन खड़े रहने से जाम की स्थिति बनती है। अभी विद्यार्थी चौराहों और सिग्नल के बारे में अध्ययन कर रहे हैं। **-प्रो. सुहास जोशी, निदेशक, आइआइटी इंदौर**

> यातायात को व्यवस्थित करने के लिए दोनों संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। इंजीनियरिंग और टेक्नोलाजी पर आइआइटी अपने सुझाव रखेगी। जबकि चौराहों पर प्रबंधन करने का जिम्मा आइआइएम का रहेगा। साथ ही वाहन चालकों को साक्षर करने की जिम्मेदारी रहेगी। विद्यार्थियों को यातायात नियम बताने होंगे। **- प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, आइआइएम इंदौर**